

# পাট ও সমবর্গীয় তন্তু ফসল চাষীদের জন্য কৃষি পরামর্শ

প্রকাশনা

ডা.কৃ.অনু.প- ফিজাফ, নীলগঞ্জ, ব্যারাকপুর

২৪ মে - ৭ জুন, ২০২২ (সংস্করণ সংখ্যাঃ ১০/২০২২)



ভা.কৃ.অ.প. -কেন্দ্রীয় পটসন এবং সমবর্গীয় রেশা অনুসন্ধান সংস্থান  
ICAR-Central Research Institute for Jute and Allied Fibers

[An ISO 9001: 2015 Certified Institute]

Nilganj, Barrackpore, Kolkata-700121, West Bengal

[www.icar.crijaf.gov.in](http://www.icar.crijaf.gov.in)



पाट ओ सहयोगी फसल उतुपादनकारी चाषिदेर जन्य कृषि-परामर्श  
२४ मे- १ जून, २०२२

I. पाट उतुपादनकारी राज्याकुलिर एइ समयेर सञ्जाव्य आवहाओयार परिस्थिति

राज्या/ कृषि-जलवायु अक्षुल/ जेला	आवहाओयार पूर्वाभास
गाङ्गेय पश्चिमवङ्ग मुर्शिदाबाद, नदिया, हुगली, हाओड़ा, उतुतर २४ परगना, पूर्व वरुधमान, पश्चिम वरुधमान, दक्षिण २४ परगना, बाकुड़ा, वीरभूम	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान २५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३७-३८ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २५-२१ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
हिमालय सन्निहित पश्चिमवङ्ग दार्जिलिङ्ग, कोचविहार, आलिपुरदुयार, जलपाईणुडी, उतुतर दिनाजपुर, दक्षिण दिनाजपुर, मालदा	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान ४५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। एइ अक्षुले सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३८ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
आसामः मथ्य ब्रम्हपुत्र उतुपत्याका क्षेत्त्र मरिगाँओ, नओगाँओ	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान ५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३७ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २२-२४ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
आसामः निम्न ब्रम्हपुत्र उतुपत्याका क्षेत्त्र गोयालपाड़ा, धुवाड़ि, कोकड़ावाड़, वङ्गाईगाँओ, वरपेटा, नलवाड़ि, कामरूप, बाक्सा, चिराङ्ग	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान २० मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३२-३५ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २३-२५ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
बिहारः कृषि-जलवायु अक्षुल २ (उतुतर-पूर्व अक्षुल) पूरुणिया, काटिहार, सहर्ष, सुपौल, माधेपुरा, खागारिया, आरारिया, किषाणगङ्ग	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान २० मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३७-४० डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २४-२१ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
उड़ियाः उतुतर-पूर्व तटीय समभूमि वालेश्वर, भद्रक, जाजपुर	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान २१.५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३७-४० डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २३-२७ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।
उड़ियाः उतुतर-पूर्व ओ दक्षिण-पूर्व समतल अक्षुल केन्द्रपाड़ा, खुर्दा, जगत्सिंहपुर, पूरुी, नयागड़, कटक (आंशिक) एवंग गङ्गाम (आंशिक)	आगामी २४-२१ मे वृष्टिर् सञ्जावना (मोट वृष्टिर् परिमान २५ मिलिमिटांर पर्यन्त)। सर्वोच्च तापमात्रा ३५-३९ डिग्रि एवंग सर्वनिम्न तापमात्रा २७-२८ डिग्रि सेन्टिग्रेडेर् मतो थाकवे।

तथा सूत्रः भारतीय आवहाओया बिभाग (<http://mausam.imd.gov.in> एवंग [www.weather.com](http://www.weather.com))

## II. पाट फसलेर जन्य कृषि परामर्श

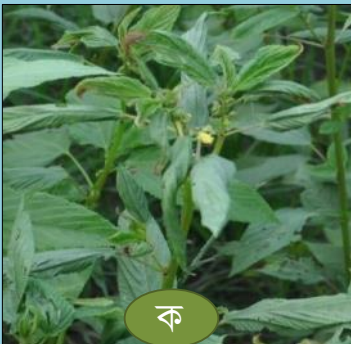
### १। २६ एप्रिल - १० मे तारिखेर मध्ये लागानो पाटेर जन्य (फसलेर वयस ३०-४५ दिन)

- यदि चापान सार देण्या ना हये थके, तवे माटिते रस अवस्थाय हेक्टर प्रति २० किलो नाइट्रोजेन घटित सार प्रयोग करते हवे। अथवा ४०-४५ दिन वयसे, चापान सार देवार पर जलसेच करते हवे ओ प्रति वर्गमिटाेरे ५०-५५ टि पाटेर चारा राखते हवे।
- कालबेशाथी वा निम्नचापेर प्रभावे हठां बेशि वृष्टि हये पाटेर जमि जलमग्न हये येते पारे, एते पाटेर वृद्धिते बिरूप प्रभाव पड़े। तई एई समय, पाटेर जमि ते १० मिटाेर दूरे दूरे २० सेमि चउडा ओ २० सेमि गभीर जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टिेर अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे।
- पाट गाछेर ३०-५० दिन वयसे, पातेर डगार बन्ध पातांशुलि, वृष्टिेर परे धूसर पोकार (ग्रे उईडिल) द्वारा आक्रान्त हय। गाछ बड़ हवार साथे साथे, पातार काटा अंशगुलो बड़ हते थके। एई पोका धूसर वर्णेर, तार उपर सदा बिन्दु बिन्दु दाग, माथा लम्बाटे - एदेर पातार उपरे देखते पाओया याय। क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन् (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटाेर वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटाेर वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टिेर परे यदि दिनेर तापमात्रा वाड़े ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेड़े यय - एई अवस्थाय शुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एई पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा यय। परे द्रुत छड़िये पड़े ओ पातार न्कति करे। तई चाषिरा नजर करे देखे, एई सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाडा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटाेर वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- पाटेर वयस यखन ३०-३५ दिन, तखन जमि ते मकड़ेर उपद्रव हते पारे। मकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण होला- पाता पुरो वा मोटा हये यावे, पातार शिरार माबेर अंश कुंचके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-बादामी रंयेर हये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमि ते जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अवस्था राखते पारले मकड़ थेके न्कति कम हय। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे मकड़ेर आक्रमण चलते थके, तवे मकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये यय, ताहले कमपक्षे ५-६ दिन अपेक्षा करून, तार परेओ यदि मकड़ेर लक्षण थके तवे मकड़नाशक दिते पारेन।



- वृष्टिेर परे धूसर पोकार (ग्रे उईडिल) आक्रमण।
- क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन् (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटाेर वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटाेर वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले मिशिये स्प्रे करते हवे।

वृष्टिेर परे यदि दिनेर तापमात्रा वाड़े ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेड़े यय - एई अवस्थाय शुंयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छड़िये पड़े। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटाेर वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।



क



ख

क) मकड़ आक्रान्त - लागानोर ३०-३५ दिन पर  
ख) जलेर अभाव एडान, माटिते रस बजाय राखून।  
फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटाेर वा  
स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटाेर वा  
प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटाेर/ प्रति लिटाेर  
जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते  
हवे।

## २। एप्रिले ११-२५ तारिखे मध्ये लागानो पाटेर ज्य (फसलेर बयस ४५-७० दिन)

- कालबैशाखी वा निम्नचापे प्रभावे हठां बेशि वृष्टि ह्ये पाटेर जमि जलमग्न ह्ये येते पारे, एते पाटेर वृद्धि ते विरूप प्रभाव पड़े। तई एई समय, पाटेर जमि ते १० मिटार दूरे दूरे २० सेमि चोड़ा ७ २० सेमि गतीर जल निकाशि नाला बानाते हवे, याते बेशि वृष्टि र अतिरिक्त जल जमि थेके बेरिये येते पारे।
- पाट गाछेर ३०-५० दिन बयसे, पातेर डगार बन्ध पातागुलि, वृष्टि र परे धूसर पोकार (थ्रे उईडिल) द्वारा आक्रान्त ह्य। गाछ बड़ हवार साथे साथे, पातार काटा अंशगुलो बड़ हते थाके। एई पोका धूसर वर्णेर, तार उपर साना बिन्दु बिन्दु दाग, माथा लम्बाटे - एदेर पातार उपरे देखते पाओया यार। क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटार वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटार वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टि र परे यदि दिनेर तापमात्रा बाड़े ७ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान बेड़े यार - एई अवस्थाय शुंयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एई पोकार डिम ७ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलबद्ध भावे देखा यार। परे द्रुत छड़िये पड़े ७ पातार क्षति करे। तई चाषिरा नजर करे देखे, एई सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताहाड़ा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटार वा इन्डक्कार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- यदि खरार परिस्थिति चलते थाके, तखन जमि ते माकड़ेर उपद्रव हते पारे। माकड़ेर आक्रमणेर प्रधान लक्षण हलो- पाता पुरो वा मोटा ह्ये यावे, पातार शिरार मावेर अंश कुंचके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-बादामी रंयेर ह्ये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमि ते जलेर (रसेर) अभाव ना ह्य, सबसमय जो अवस्था राखते पारले माकड़ थेके क्षति कम ह्य। यदि १० दिनेर बेशि समय धरे माकड़ेर आक्रमण चलते थाके, तवे माकड़नाशक - येमन फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि ह्ये यार, ताहले कमपक्षे ५-७ दिन अपेक्षा करण, तार परे यदि माकड़ेर लक्षण थाके तवे माकड़नाशक दिते पारैन।
- पाट चावेर समस्त अंशगुलेई, पाटेर षोड़ापोका (सेमिलुपार) पाट पाता थेये क्षति करे। एरा सर, सबजे रंयेर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाट सबुज रंयेर लम्बा दागयुक्त पोका, या चलार समय माबखानटा उल्टानो इंराजी ईड आकुतिर फाँसेर मतो देखाय। पाट गाछेर ५०-८० दिन बयसेई बेशि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिककार ना खोला पाता थेकेई क्षति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्येई एदेर क्षतिर लक्षण देखा यार। पातार धारगुलो थेये खंज करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भावे काटा देखा यार। यदि क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग ह्य, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेनडेलेरेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटार जले मिशिये प्रयोग करते हवे। कीटनाशक छेत्तानोर समय केवलमात्र डगार पातागुलो र दिकेई बेशि करे षुध प्रयोग करते हवे।



समयमते लागानो पाट (फसलेर बयस ५०-७० दिन)

वृष्टि र परे धूसर पोकार (थ्रे उईडिल) आक्रमण। क्लोरपाइरिफस् (५० ईसि) एवं साइपारमेथ्रिन (५ ईसि) एर मिश्रण, १.०-१.५ मिलिलिटार वा क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटार वा कुइन्यालफस् (२५ ईसि) १.२५ मिलिलिटार/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।



वृष्टिर्न पुरे यदि दिनेर तापमात्रा बाडे ओ वातासे जलीय बाष्पेर परिमान बेडे यय - एहि अवस्थाय शुंयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छडिंये पडे। चाथिरा नजर करे एदेर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रांस्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। प्रयोजने ल्यामडा सायालोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिटांर वा इन्डक्काकार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिंये प्रयोग करते हवे।

यदि थोडापोकार (सेमिलुपार) द्वारा क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग वा बेशि हय, तबे प्रफेनोफस (५० ईसि) २ मिलि वा फेन्डेलांरेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटांर जले मिशिंये स्त्रे करते हवे। स्त्रे करार समय केवलमात्र डगार पातांुलार दिकेहि बेशि करे ओषुध प्रयोग करते हवे।



क



ख

क) माकड़ आक्रांस्त - लागानार ३०-३५ दिन पर  
ख) जलेर अभाव एडान, माटिते रस बजाय राखुन।  
फेनपाइरिक्लिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर वा  
स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर वा  
प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रतिलिटांर  
जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते  
हवे।



शिलावृष्टिर्न जन्य पाट क्षतिग्रंस्त। यदि ५०-६० शतांशेर्न बेशि क्षति हय, तहले आवार बीज लागते पारेंन। अन्यथाय, माध्यमिक परिचर्यार माध्यमे जमिर्न अवस्थार परिवर्तन करते हवे।



३। समयमते लागानो पाट (२५ मार्च - १० एप्रिल): फसलेर वयस ७०-९० दिन

- चाषिदेर विशेषभावे सतर्क हते हवे ये - वृष्टिपर परे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ओ वातासे जलीय वाष्पेर परिमान वेडे याय - एहि अवस्थाय शुँयोपोकार प्राथमिक आक्रमण हते पारे। पातार उपर एहि पोकार डिम ओ छोट छोट शुक्कीट एक जायगाय दलवद्ध भावे देखा याय। परे द्रुत छडिंये पडे ओ पातार क्षति करे। तहि चाषिरा नजर करे देखे, एहि सब आक्रान्त पाता तुले नष्ट करे फेलबेन। ताछाडा प्रयोजने ल्यामडा सायालोथिन् (५ ईसि) १ मिलिलिटांर वा इन्डुक्लाकार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे।
- यदि खरार परिस्थिति चलते থাকे, तखन जमिंते माकडेर उपद्रव हते पारे। माकडेर आक्रमणेर प्रधान लक्ष्ण हलो- पाता पुरो वा मोटा हये यावे, पातार शिरार माबेर अंश कुँचके यावे, आर डगार कचि पाता क्रमे तामाटे-वादामी रंयेर हये यावे। चेष्टा करते हवे याते जमिंते जलेर (रसेर) अभाव ना हय, सबसमय जो अवस्था राखते पारले माकड़ थेके क्षति कम हय। यदि १० दिनेर বেশि समय धरे माकडेर आक्रमण चलते থাকे, तवे माकड़नाशक - येमन फेनपाइरस्त्रिमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले वा स्पाइरोमेसिफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले वा प्रोपारगाईट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिटांर/ प्रति लिटांर जले, १० दिन परे परे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे। यदि वृष्टि हये याय, तहले कमपक्षे ५-७ दिन अपेक्षा करे, तार परेओ यदि माकडेर लक्ष्ण थाके तवे माकड़नाशक दिते पारेन।
- पाट चाषेर समस्त अण्गलेइ, पाटेर षोडापोका (सेमिलुपार) पाट पाता थेये क्षति करे। एरा सरु, सबजे रंयेर देह, हलदे माथाओयाला, गायेर धार बराबर गाट सबुज रंयेर लन्ना दागयुक्त पोका, या चलार समय माबखानटा उल्टानो इंगराजी ईउ आकृतिर फाँसेर मते देखाय। पाट गाछेर ५०-८० दिन वयसेइ বেশि आक्रमण करे। गाछेर उपरेर दिक्कार ना खोला पाता थेकेइ क्षति करा शुरु करे। आर उपरेर मोट ९ टि पातार मध्येइ एदेर क्षतिर लक्ष्ण देखा याय। पातार धारगुलो थेये खाँज करे देय; एकदम कचि पाताय आक्रमण करले - पाता आडाआडि भावे काटा देखा याय। यदि क्षतिर परिमान शतकरा १५ भाग हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेन्डेलेरेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथिन् (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिटांर जले मिशिये प्रयोग करते हवे। कीटनाशक छेँटानोर समय केवलमात्र डगार पातागुलोेर दिकेइ বেশि करे ओषुध प्रयोग करते हवे।
- गरम ओ जलीय आवहाओयाय पाट पाताय म्याक्रोफेल्मिना फ्यासिओलिना -र आक्रमण हते पारे, या पातार बाँटा ओ पत्र किनारार माध्यमे क्रमे पाट गाछेर कांन्डे आक्रमण छडिंये कांन्ड पचा रोग सृष्टि करे। प्रतिरक्षामूलक स्त्रे हिंसावे म्यानकोजेव ०.२ शतांश वा कपार अक्लिक्लोराईड ०.३ शतांश स्त्रे करा येते पारे। जमिंते जल जमा अवस्थाय थाकले एहि रोगेर आशक्षा वाडे, तहि जमिंते सठिक जल निकाशि व्यवस्था अत्यावश्यक।



दक्षिण ओ उतुंरवडेर विभिन्न स्थाने ७०-९० दिन वयसेर पाट फसल



गरम ङ जलीय आबहाओयय पाट पाताय म्याक्रोफोमिना फ्यासिओलिना -र आक्रमण क्रमे पाट गाछेर कांठे आक्रमण छडिंये कांठ पचा रोग सृष्टि करे। प्रतिरक्षामूलक स्त्रे हिसावे पाताय म्यानकोजेव ०.२ शतांश वा कपार अक्लिक्कोरिड ०.३ शतांश प्रयोग करा वेते पावे। जमिंते जल जमा अवस्थाय थाकले एही रोगेग आशक्का वाडे, त्ही जमिंते सठिक जल निकाशि व्यवस्था अत्यावश्यक।



वृष्टिंर पारे यदि दिनेर तापमात्रा वाडे ङ वातासे जलीय वास्पेग परिमाण वेडे यय - एही अवस्थाय शुंयोपोकार आक्रमण हय। एरा द्रुत छडिंये पडे। चाषिरा नजर करे एदेर डिम आर शुक्कीट सह सब आक्रांस्त पाता तुले नष्ट करे फेलवेन। प्रयोजने ल्यामडा सायलोलोथ्रिन (५ ईसि) १ मिलिलिंटांर वा इन्डुक्काकार्ब (१४.५ ईसि) १ मिलिलिंटांर/ प्रति लिंटांर जले मिशिंये प्रयोग करते हवे।

यदि षोडापोकार (सेमिलुपार) द्वारा क्षतिंर परिमाण शतकरा १५ भाग वा बेशि हय, तवे प्रफेनोफस् (५० ईसि) २ मिलि वा फेन्डेलांरेट (२० ईसि) १ मिलि वा साइपारमेथ्रिन (२५ ईसि) ०.५ मिलि प्रति लिंटांर जले मिशिंये स्त्रे करते हवे। स्त्रे करार समय केवलमात्र डगार पातांुलेर दिंकेइ बेशि करे ङ शुंध प्रयोग करते हवे।



क) माकड़ आक्रांस्त - लांगानोर ३०-३५ दिन पर ख) जलेर अभाव एडान, मांटीते रस बजाय राखुन। फेनपाइरिक्लिंमेट (५ ईसि) १.५ मिलिलिंटांर वा स्पाइरोमेसिंफेन (२४० एस.सि) ०.९ मिलिलिंटांर वा प्रोपारगाइट (५९ ईसि) २.५ मिलिलिंटांर/ प्रतिलिंटांर जले, १० दिन पारे पारे, पर्यायक्रमे व्यवहार करते हवे।

### III. अन्योन्य सहयोगी तन्त्र फसलेर कृषि परामर्श

(क) शणपाट / सानहेम्प



#### १। मे मासेर ११-२५ तारिखेर मध्ये लागानो शणपाटः फसलेर वयस १५-२५ दिन

- ❖ यदि बीज बोनार पर खरा चलते থাকे, पाता खाओया पोकार आक्रमण हते पावे। এই समय हालका जलसेच दिन।
- ❖ सेच देवार पर, एकवार क्रिज्जाफ नेल उईडारेर पिछनेर दिके चाँहनि वा स्फ़ापार लागिसे वा पाटेर एक चाका निडानि यन्त्र, दुई सारिर मारखान दिसे चालाते हवे, एते सब आगाछा नियन्त्रण हवे। चारा पातला करार काज सेरे फेलुन याते प्रति वर्ग मिटार जमिने ५५-६० टि चारा बजाय থাকे।
- ❖ स्टेम गार्डलार ओ सुँयोपोकार आक्रमण विषये चाषिदेर सतर्क থাকते हवे। यदि এই पोकार आक्रमण देखा याय, तवे क्लोरपाइरिफस २० ईसि, २ मिलि प्रति लिटार जले मिशिसे प्रयोग करते हवे।



२५-३० दिन वयसेर शणपाट फसल



आगाछा नियन्त्रण ओ चारा पातला करा। सावधानता हिसेबे क्लोरपाइरिफस (२० ईसि) २ मिलि/लिटार जले



चक्रविदा (हैल हो) चालिसे आगाछा नियन्त्रण ओ माटिर आसुरण सुंति



खरा अवस्थाय पाता खाओया पोकार आक्रमण



२। एप्रिले २७ - मे मासे १० तारिखे मध्ये लागानो शणपाटः  
फसले बयस ३०-४० दिन

- माटि ते जलेर अभाव हले, हालका सेच देवार परामर्श देओया हचे। आर यदि बेशि वृष्टि हय, शीघ्र जमि थेके निकशि नाला दिये जल बेर करे दिते हवे।
- यदि एर मध्ये वृष्टि ना हये थाके बेंग माटि ते जलेर अभाव हय, तबे हालका सेचेर परामर्श देओया हचे। सेचेर पर, २५ दिन गाछेर बयसे, एक बार हात निडानि दिते हवे - एते आगाछा दमन हवे, गाछेर वृद्धि हवे ओ एसमये प्रति वर्ग मिटारे ५५-७० टि चारा राखते हवे।
- यदि शुक्नो परिस्थिति चलते थाके, ताहले माछिर मतो फ्लि बिट्ल पोकार आक्रमण हते पारे। एरा पाता खेये फुटो फुटो करे देय। चाषिदेर शुँयोपोकार आक्रमणेर व्यापारे ओ सतर्क करा हचे। यदि बेशि आक्रमण हय, ताहले क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटर वा निमतेल ३-४ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करार सुपारिश करा हय।



४० दिन बयसेर शणपाट फसल



फ्लि बिट्ल आक्रान्त शणपाट

३। एप्रिले मारामाखि समये लागानो शणपाटः फसले बयस ४०-५० दिन

- चाषिदेर पाता मोडा (लिफ् कार्ल) ओ फाईलोडि आक्रमण बिषये सतर्क थाकते परामर्श देओया हचे। यदि आक्रमणेर लक्षणे बेशि देखा यय, तबे आक्रान्त गाछ तुले पुडिये फेलते हवे एबंग रोग बाहक पोका मारार जन्य इमिडाक्लोरपिड (१९.८ एस.एल) ०.५-१.० मिलि/ लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।
- यदि शुक्नो परिस्थिति चलते थाके, ताहले माछिर मतो फ्लि बिट्ल पोकार आक्रमण हते पारे। एरा पाता खेये फुटो फुटो करे देय। चाषिदेर शुँयोपोकार आक्रमणेर व्यापारे ओ सतर्क करा हचे। यदि बेशि आक्रमण हय, ताहले क्लोरपाइरिफस् (२० ईसि) २ मिलिलिटर वा निमतेल ३-४ मिलिलिटर/ प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करार सुपारिश करा हय।
- खुब गरम परिस्थिति चलते थाकले एकबार जलसेच दिते हवे।



४०-५० दिन बयसेर शणपाट फसल



फ्लि बिट्ल आक्रान्त शणपाटे  
कीटनाशक प्रयोग



शुँयोपोका द्वारा आक्रान्त शणपाट

## খ। মেস্তা



কেনাফ / জলমেস্তা



রোজেল মেস্তা

### ১। মে মাসের শেষ সপ্তাহে মেস্তা লাগানো

- চাষীদের মেস্তা (রোজেল ও কেনাফ) লাগানোর জন্য জমি প্রস্তুত করতে পরামর্শ দেওয়া হচ্ছে। ভালো ফলন পেতে রোজেলের জাতগুলি হলো - এ.এম.ভি-৫, এম.টি-১৫০, এবং এইচ.এস-৪২৮৮; কেনাফের ভালো জাতগুলি হলো - জে.আর.এম-৩ (স্নেহা), এবং জে.বি.এম-৮১ (শক্তি)। বীজ লাগানোর কমপক্ষে চার ঘণ্টা আগে কার্বন্ডাজিম ২ গ্রাম/ প্রতি কেজি বীজে দিয়ে মেস্তার বীজ শোধন করতে হবে।
- ছিটিয়ে বুনলে হেক্টর প্রতি ১৫ কিলো আর সারি করে লাগালে ১২ কিলো বীজ লাগবে। লাইন করে লাগানো হলে, সারি থেকে সারি দূরত্ব হবে ৩০ সেমি, একই সারিতে গাছ থেকে গাছের দূরত্ব ১০ সেমি এবং বীজের গভীরতা ২-৩ সেমি হবে। বীজ বোনার পরে মই দিলে জমির উপর ধুলোর আস্তরণ হবে, এতে মাটির জল সংরক্ষণ হবে এবং বীজের অঙ্কুরোদ্গমে সুবিধা হবে।
- বৃষ্টি নির্ভর মেস্তা চাষে, সারের মাত্রা ৪০ঃ২০ঃ২০ কিলো এন.পি.কে এবং সেচ সেবিত চাষে সারের মাত্রা ৬০ঃ৩০ঃ৩০ কিলো এন.পি.কে প্রতি হেক্টরে দিতে হবে। মোট সুপারিশকৃত নাইট্রোজেন সার ২-৩ বার ভাগ করে দিতে হবে। তবে ফসফেট ও পটাশ জমি তৈরীর সময় ৫ টন খামার সারের সঙ্গেই দিতে হবে। চাষিরা তাদের মাটি পরীক্ষার কার্ডে দেওয়া হিসাবের ভিত্তিতেও সার প্রয়োগ করতে পারবেন।
- বৃষ্টি নির্ভর চাষের ক্ষেত্রে, আগাছা দমনের জন্য, বীজ লাগানোর ২৪-৪৮ ঘণ্টা পরে বুটাক্লোর (৫০ ইসি) ৪ মিলি/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। প্রতি হেক্টর জমির জন্য আগাছানাশক প্রয়োগের সময় ৫০০-৬০০ লিটার জল লাগবে।
- বীমা ফসল হিসাবে, মেস্তা ফসলের সঙ্গে চিনাবাদাম, কলাই এবং ভুট্টা লম্বা ফালি হিসাবে (৪ঃ৪) চাষ করার পরামর্শ দেওয়া হয়।



মেস্তা চাষের জন্য জমি তৈরী এবং এন.পি.কে. প্রাথমিক সার প্রয়োগ



বীজ লাগানোর কমপক্ষে চার ঘণ্টা আগে কার্বন্ডাজিম ১ গ্রাম/ প্রতি কিলো বীজে দিয়ে বীজ শোধন



নয় সারি টাইন দিয়ে খোলা নালি তৈরী করে বীজ লাগানো ও জল সংরক্ষণ

### ২। মে মাসের শেষ সপ্তাহে মেস্তা লাগানো (ফসলের বয়স ১৫-২০ দিন)

- মেস্তা লাগানোর ১৫-২০ দিন পর, সরুপাতা আগাছা নিয়ন্ত্রণের জন্য কুইজালোফপ ইথাইল (৫ ইসি) ১.৫-২.০ মিলিলিটার প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। তার কিছুদিন পর একবার হাত নিড়ানি দিতে হবে।
- অন্য ধরনের আগাছা নেল উইডার বা সিঙ্গল হুইল উইডার যন্ত্রের স্কাপার দিয়ে নিয়ন্ত্রণ করতে হবে।
- যদি বেশি বৃষ্টি হয়, মেস্তার সঠিক বৃদ্ধি ও চারার রোগ ব্যবস্থাপনার জন্য সেই জল নিকাশি করতে হবে।



মেস্তা জমিতে আগাছা দমন

## ग) सिसाल

**भूमिका:** सिसाल (एगोड सिसालाना) प्राय-बह्वर्षजीवी पाता থেকে तন্ত উৎপাদনকারী মরুজাতীয় উদ্ভিদ। সিসালের তন্ত থেকে তৈরী দড়ি বিভিন্ন ধরনের জলযান (জাহাজ, লঞ্চ, বড় নৌকা ইত্যাদি) বাঁধার কাজে ব্যবহৃত হয়। ব্রাজিল সিসাল তন্ত উৎপাদনে ও রপ্তানিতে প্রথম স্থান অধিকার করে, আর চীন সব থেকে বেশি সিসাল আমদানি করে। ভারতের উড়িষ্যা, তেলঙ্গানা, কর্ণাটক, মহারাষ্ট্র ও পশ্চিমবঙ্গের মরুপ্রায় অঞ্চলে সিসাল চাষ হয়ে থাকে। ভারতে সিসালের মোট জমির পরিমাণ প্রায় ৭৭৭০ হেক্টর, যার মধ্যে ৪৮১৬ হেক্টর সিসাল, মাটি ও জল সংরক্ষণের জন্য ব্যবহৃত হয়। ভারতে সিসালের হেক্টর প্রতি গড় উৎপাদন অনেকটাই কম (৬০০-৮০০ কেজি), তবে সঠিক পদ্ধতি অনুসরণ করে চাষ করতে পারলে হেক্টর প্রতি উৎপাদন অনেকটাই বাড়ানো সম্ভব (২০০০-২৫০০ কেজি)। এই ফসলে জলের প্রয়োজন অনেক কম এবং মধ্যভারতের মালভূমি অঞ্চলের মাটি ও আবহাওয়া (সর্বোচ্চ তাপমাত্রা ৪০-৪৫ ডিগ্রি, বৃষ্টিপাত ৬০-১০০ সেমি) সিসালের জন্য উপযোগী, ও গ্রামীণ অঞ্চলের আর্থিক ও সামাজিক উন্নয়ণে বিশেষ সহায়ক হতে পারে। সিসাল চাষ এই অঞ্চলের উপজাতি মানুষদের জীবিকা সরাসরি ও কর্মসংস্থানের মাধ্যমে উন্নয়ণ করতে পারে। এছাড়াও সিসাল বৃষ্টির জলের বয়ে যাওয়া অপচয় ৩৫ শতাংশ ও ভূমিক্ষয় ৬২ শতাংশ কম করতে সক্ষম।

### প্রাথমিক নার্সারি

- সাধারণত মার্চ থেকে মে মাসের মধ্যে বুলবিল সংগ্রহ করা হয়। সংগ্রহ করা বুলবিলগুলি তারপর বিভিন্ন গ্রেডিং করে ভাগ করা হয় ও ১ মিটার চওড়া ও জমির ঢাল অনুসারে সুবিধামতো লম্বা প্রাথমিক নার্সারিতে ১০ সেমি - ৭ সেমি দূরত্বে লাগানো হয়।
- আগাছার প্রকোপ কম করতে ও মাটিতে জল সংরক্ষণ করার জন্য নার্সারিতে মালচিং বা প্রাকৃতিক আচ্ছাদন দিলে বুলবিল তাড়াতাড়ি বাড়তে পারবে।
- প্রাথমিক নার্সারিতে আগাছা দমনের জন্য বুলবিল লাগানোর এক দিন আগে মেটোলাক্লোর ০.৫ কিলোগ্রাম প্রতি হেক্টর হিসাবে প্রয়োগ করা যেরতে পারে, তবে কিছুদিন পরে একবার হাত নিড়ানির প্রয়োজন হবে।

### সিসালের মূল জমি থেকে সাকার সংগ্রহ

- প্রাথমিক ও মাধ্যমিক নার্সারির মাধ্যমে বুলবিল থেকে সাকার তৈরীর পাশাপাশি, আগে থেকে লাগানো সিসালের মূল পুরানো জমি থেকে সাকার সংগ্রহ করা যাবে। সাধারণত একটি সিসাল গাছ থেকে বছরে ২-৩ টি সাকার পাওয়া যায়। বর্ষার শুরুতে এইসব উপযুক্ত সাকার তুলে - সরাসরি নতুন মূল জমিতে লাগানো যাবে। সাকার লাগানোর আগে পুরানো শিকড় ছেঁটে ফেলতে হবে ও শুকিয়ে যাওয়া পাতা ফেলে দিতে হবে। তবে খেয়াল রাখতে হবে যে শিকড় ছেঁটে ফেলার সময়, সাকারের গোড়ার অঞ্চল যেন ক্ষতিগ্রস্ত না হয়।

### নতুন সিসাল খেতের পরিচর্যা

- এক-দুই বছর বয়সের সিসাল ক্ষেতে আগাছা নিয়ন্ত্রণের ব্যবস্থা করতে হবে, যাতে সিসালের জল ও খাদ্যের জন্য আগাছার সঙ্গে প্রতিযোগিতা কমে যায়। জেব্রা রোগের প্রাথমিক লক্ষণ দেখা গেলে - কপার অক্সিক্লোরাইড ৩ গ্রাম প্রতি লিটারে বা ম্যানকোজেব ৬৪ শতাংশ ও মেটালাক্সিল ৮ শতাংশ মিশ্রণ ২.৫ গ্রাম প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ করতে হবে। সঠিক বৃদ্ধি ও ফলনের জন্য হেক্টর প্রতি ২ টন সিসাল কম্পোস্ট এবং ৬০ঃ৩০ঃ৬০ কিলো এন.পি.কে. সার প্রয়োগ করতে হবে। প্রথম বছর, সিসাল গাছের চারধারে গোল করে সামান্য গর্ত করে সার প্রয়োগ করতে হবে।



(ক) সিসাল পাতা কাটা, (খ) পাতা ছাড়ানো, (গ) বুলবিল সংগ্রহ ও প্রাথমিক নার্সারিতে তা লাগান, (ঘ) জেব্রা রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য কপার অক্সিক্লোরাইড ২-৩ গ্রাম/ প্রতি লিটার জলে মিশিয়ে প্রয়োগ

### मूल जमिंते सिसाल लागानो

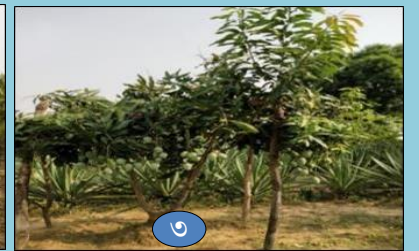
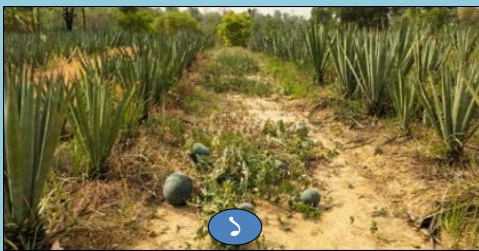
- पुरानो मूलजमिंते सिसाल थेके सरासरि तोला सिसाल साकार ओ माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसाले नतून मूल जमिंते चारा लागते पारले भालो हय। माध्यमिक नार्सारीते वड़ करा साकार, पुरानो पाता ओ शिकड़ छेँटे मूल जमिंते लागते हवे। लागानो आगे म्यानकोजेव ७४ शतांश ओ मेटालाक्लि ८ शतांश - २.५ ग्राम प्रति लिटार जले मिशिये २० मिनिटेर ज्यु साकारे शिकड़ अषल धुये निते हवे। साकार पिटेर गर्तेर मावखाने सूचालो काठिं साहाय्य निये लागते हवे।
- साकारे आकार (साइज) ३० सेमि लम्बा, २५० ग्राम ओजन ओ ५७ टि पाता विशिष्ट हते हवे। ये सब साकारे रोग-पोकार वा अन्य कोनो प्रकार चापेर (खाद्ये वा जलेर अभाव युक्त) लक्ष्ण आछे, सेगुलि बाद दिते हवे।
- सिसाल गाछेर द्रुत वृद्धि ज्यु हेक्टेर प्रति ५ टन सिसाल कम्पोस्ट, ७० केजि नाइट्रोजेन, ३० केजि फस्फेट, ७० केजि पाटाश दिते हवे। नाइट्रोजेन सार २ वारे दिते हवे - मोट परिमाने अर्धेक वर्षा शुरुआगे, आर बाकि अर्धेक वर्षा चले यावर पर।
- ये सब चाषिआ एखनो जमि निर्वाचन करेननि, तादेर जल ना दाँडाय एमन जमि निर्वाचन करते हवे याते कमपक्षे १५ सेमि गभीर माटि थाकते हवे। टालू जमिंते सिसाल चाषेर फ्लेक्से, पुरो जमि चाष देवार दरकार नैह।
- आगाछा, बोपवाड़ परिक्षार करे १ घन फुटेर पिट ३.५ मिटार — १ मिटार-१मिटार दूरे दूरे वानाते हवे, एते ४,५०० टि पिट हवे येखाने वर्षा शुरुते दुई सारि (डबल रो) पद्धतिते सिसाल लागते हवे। तवे प्रतिकूलपरिस्थितिते ३.० मिटार — १ मिटार-१मिटार दूरे दूरे पिट करे, प्रति हेक्टेरे ५,००० टि साकार लागानो यावे।
- सिसाले ज्यु तैरी करा पिट, माटि ओ सिसाल कम्पोस्ट दिये भर्ति करते हवे, याते माटि बुरबुरे थाके। अन्न माटि जमिंते हेक्टेर प्रति २.५ टन हारे चून प्रयोग करते हवे। पिटेर गर्तेर मध्ये एमन भावे माटि पूर्ण करते हवे याते १-२ इंच उँटू हये थाके, एते सिसाल साकार सहजे दाँडाते पारवे।
- माटि रक्ष्य रोध करते, सिसाल साकार जमिंते स्वाभाविक टाले आड़ाआड़ी ओ समोमति रेखा बराबर लागते हवे। साकार संग्रह ४५ दिनेर मध्ये जमिंते साकार लागानो सम्पूर्ण करते हवे। लागानो परे हेक्टेर प्रति कमपक्षे १०० टि अतिरिक्त साकार आलादा करे राखते हवे, याते प्रयोजने कोनो कारणे खालि यये याओया जायगाय आवार सिसाल चारा लागिये जमिंते सिसाल चारार आदर्श संख्या बजय राखा यय।
- पुरानो मूलजमिंते सिसाल थेके सरासरि तोला सिसाल साकारे परिवर्ते, माध्यमिक नार्सारी थेके पाओया सिसाल साकार व्यवहार करे सिसाले नतून मूल जमिंते चारा लागते पारले भालो हय।

**बुलबिल संग्रह** - सिसाले पुष्पदण्ड (याके पोल वला हय) वेर हले, सिसाले पातार वाड़ वा वृद्धि बन्ध हये यय। एहि प्रत्येकटि पोले प्राय २००-५०० टि बुलबिल तैरी हय; बुलबिले ४-९ टि छोट छोट पाता थाके। एहि बुलबिलगुलि जमिंते थेके संग्रह करे प्राथमिक नार्सारीते सिसाल रोपन सामग्री हिसावे लागते हवे।

**सिसाल पाता काटा** - क्रमशः वातासेर तापमात्रा वेडे याछे, ताहि देरि ना करे अबिलम्बे सिसाल पाता काटा शेष करते हवे, ता ना हले सिसाल तसुंर उँपान कम यावे। बिकेलेर दिके सिसाल पाता काटते हवे एवं चेष्टा करते हवे याते एकहि दिने पाता थेके आँश छाड़ानो हये यय। पाता काटार परे, रोगे हत थेके सिसाल बाँचाते, कपार अक्लिक्लोराइड २-३ ग्राम/प्रति लिटार जले मिशिये स्प्रे करते हवे।

### अतिरिक्त आयेर ज्यु सिसाले सङ्गे अस्तुर्बती फसलेर चाष

- दुई सारि सिसाले मावखाने जमिंते अस्तुर्बती फसल हिसावे तरमुज एवं क्लास्टर बीन चाष करे यथाक्रमे ५२,००० ओ २९,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे। एहि सब फसले जीवनदायी सेच दिते हवे एवं रोग-पोकार् थेके सुरक्षार ज्यु व्यवस्था करते हवे। एकहि भावे सिसाले सङ्गे आम ओ अन्यान्य फल चाष करे हेक्टेर प्रति ७४,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे। एहि व्यवस्थाय फल गाछेर रोग-पोकार् थेके सुरक्षार ज्यु व्यवस्था करते हवे।



सिसाले जमिंते अस्तुर्बती फसल (१) तरमुज, (२) काजू, (३) आम

### सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

खरा प्रबन आदिवासी अधुषित अषधले सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था लाडजनकभावे करा येते पारे। एते चाषिर आय वाडवे, कर्मसंस्थान हवे ओ दीर्घमेयादि कृषि व्यवस्था पाओया यावे। एई व्यवस्थाय स्थानीय भावे पाओया विभिन्न धरनेर उँसके काजे लागिगे ओ फसलेर अवशिष्टांश व्यवहार करे - यथेष्ठ आयेर संस्थान हवे। एई सिसाल भित्तिक खामार व्यवस्थाय फसलेर पाशापाशि विभिन्न प्राणी पालनेर व्यवस्था रेखे एई सुसंहत खामार व्यवस्था अर्थनैतिक भावे सफल ओ सार्थक भावे रूपायित हते पारे।

- १। एई खामारे १०० टि विभिन्न जातेर मुरगि येमन - बनराजा, रेड रुस्टार, कडकनाथ पालन करे ८,०००-१०,००० टाका निट लाड हते पारे।
- २। चाषिरा एई खामार व्यवस्थाय दुई गरू पालन करे प्रति बहर २५,००० टाका अतिरिक्त लाड करते पारेन। सिसालेर सडे अश्वरवती फसल हिसावे गोखाद्य चाष, एई गरूर खाओयार जन्य योगान देओया यावे।
- ३। एई व्यवस्थाय १० टि हागल पालन करे प्रति बहर आरो १२,०००-१५,००० टाका अति रिक्त आय हते पारे।
- ४। सिसालेर सडे दुई सारिर माखाने ये उँचू जमिर धान (कादा ना करे शुधु चाष दिये) फलानो हवे, तार खड व्यवहार करे माशरूम चाषेर माध्यमे बहरे १२,००० टाका लाड हते पारे।
- ५। सिसाल चाषेर बर्ज ओ माशरूम तैरीर बर्ज व्यवहार करे भार्मिकम्पेास्त तैरी करे व्यवहार करा यावे, एते माटिर स्वास्थ भालो थाकवे ओ बहरे १८,००० टाका अतिरिक्त लाड हवे।
- ६। सिसाल साधारनत टालु ओ उँचू जमिने लागानो हय - ताई एई अवस्थाय वृष्टिर जल धरे लाडजनकभावे व्यवहार करा यावे। येहेतु एई अषधले एमनितेई अपेक्षकृत कम वृष्टि हय, ताई वृष्टिर जल धरार व्यवस्था करे - ए जल दिये अन्यान्य भावेओ आय वृद्धि हते पारे। एक हेक्टर सिसालेर जमिर मात्र एक दशमांश एई जल धरार जन्य व्यवहृत हवे। एई जल धरार पुकुरेर माप हवे ३० मिटार-३० मिटार-१.८ मिटार, आर १.८ मिटार चओडा पाड हवे। एई पुकुरे जल धरे ये ये भावे व्यवहार करे लाडवान हओया यावे ता हलो -
  - सिसालेर सडे चाष करा अश्वरवती फसलेर संकटकालीन सेच एई पुकुरेर जल व्यवहार करे देओया यावे। एते एई सब फसलेर उँपदन ओ आय वाडवे।
  - एई जल व्यवहार करे सिसालेर आँश छाडानोर परे थोया यावे।
  - पुकुरेर पाडे विभिन्न उँचतार फसल येमन - पेपे, कला, नारकेल, सजने एवं अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति बहर १५,०००-२०,००० टाका आय हते पारे।
  - मिश्र माछ चाष पद्धतिते कातला, रूई, मृगेल चाष करे प्रति बहर १०,०००-१२,००० टाका आय हते पारे।
  - एई जले १०० टि हाँस पालन करे प्रति बहर प्राय ८००० टाका आतिरिक्त आय हते पारे।



उडियार सखलपुर जेलार वामडाय सिसाल भित्तिक सुसंहत खामार व्यवस्था

घ) रेमि



- আবহাওয়ার পূর্বাভাস অনুসারে, আসামের রেমি অঞ্চলে (বিশেষত বরপেটা জেলায়) বজ্রবিদ্যুৎসহ মাঝারি থেকে ভারী বৃষ্টির সম্ভাবনা। রেমি জল জমা একদম সহ্য করতে পারে না, তাই রেমির জমিতে জল নিকাশি ব্যবস্থা করতে হবে।
- সময় মতো রেমি কাটা খুবই গুরুত্বপূর্ণ, তাই প্রতি ৪৫-৬০ দিন অন্তর রেমি কাটতে হবে। এর থেকে বেশি দেরি হয়ে গেলে, রেমির কান্ড সবুজ থেকে গাঢ় বাদামী রংয়ের হয়ে যায়, যা বাঞ্জুনীয় নয় এবং রেমি চাষিরা তা এড়িয়ে চলবেন।
- পুরানো জমির রেমির অসমান ভাবে বেড়ে ওঠা কান্ড সমান ভাবে বেড়ে ওঠায় সাহায্য করতে, কেটে দিতে হবে (স্টেজ ব্যাক) এবং তার পরে হেক্টরে ৩০-১৫-১৫ কিলো হিসাবে এন.পি.কে সার দিতে হবে।
- নতুন রেমির জমিতে, মাঝে মাঝে রেমি গাছ না থাকলে, ফাঁকা জায়গাগুলো নতুন রেমি চারা লাগিয়ে পূরণ করতে হবে।
- রেমির জমিতে ঘাস জাতীয় আগাছা দমনের জন্য কুইজালোফপ ইথাইল (৫ ইসি) ৪০ গ্রাম এ.আই প্রতি হেক্টরে প্রয়োগ করতে হবে।
- বিভিন্ন ধরনের পোকা যেমন - ইন্ডিয়ান রেড এ্যাডমিরাল ক্যাটারপিলার, হেয়ারি ক্যাটারপিলার, লেডি বার্ড বিটল, লিফ বিটল, লিফ রোলার, উঁই পোকা ইত্যাদির আক্রমণ হতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ক্লোরপাইরিফস ০.০৪ শতাংশ প্রয়োগ করার পরামর্শ দেওয়া হয়।
- এই সময়ে বিভিন্ন ধরনের রোগ যেমন - সারকোস্পোরা লিফ স্পট, স্কেলেরোশিয়াম রট, এ্যানথ্রাকনোজ লিফ স্পট, ড্যাম্পিং অফ এবং ইয়েলো মোজাইক রোগ দেখা দিতে পারে। আক্রমণের মাত্রা বুঝে ছত্রাকনাশক যেমন- ম্যানকোজেব ২.৫ মিলি/ লিটার বা প্রপিকোনাভোল ১ মিলি/ লিটার জলে দিয়ে প্রয়োগ করতে হবে।



রেমি রাইজোম লাগানো

নতুন রেমির খেত

রেমি কাটা হচ্ছে



রেমি কান্ড কাটার পরে পাতা ছাড়ানো

রেমির আঁশ ছাড়ানো

রেমি তন্তু (আঠা সহ) ছাড়ানোর পর রোদে শুকানো



### पाट ओ मेस्ता चाषे जमिर स्वाभाविक स्थाने जलाधार भित्तिक परिवेशवाक्कब स्वनिर्भर खामार व्यवस्था

- वृष्टिर अनियमित वितरण, पाट पाचानोर जनु उपयुक्त सर्वसाधारणेर पुकुरेर अभाव, माथाप्रति कम जलेर योगान, चाषेर खरच ओ कुषि श्रमिकेर मजुरि वृद्धि, पुकुर - नदी - नाला शुकिसे याओया इत्यादि विवेचना करे देखा याय, चाषिरा पाट ओ मेस्ता पचानोते असुविधार समुथीन ह्छेन। कम जले एवं सर्वसाधारणेर पुकुरेर मयला जले क्रमागत पाट पचानोर फले, पाटेर आँशेर मान खाराप ह्छे एवं आनुर्जातिक बाजारे प्रतियोगिताय टिके थाकते पारहे ना।

#### वर्षा आसार आगेई पाट पचानोर पुकुर तैरी सम्पूर्ण करते हवे

- पाट काटा ओ पचानोर मरशुमे जलेर अभाव दूर करार जनु - वर्षा शुरुर आगेई जून मासे जमिर कोनार दिके स्वाभाविक निचू जायगाय ई पाट पचानोर पुकुर तैरी करते हवे, येथाने मोट वृष्टिर वये याओया ७०-८० शतांश वृष्टिर जल (या १२००-२००० मिलिमिटर मतो हय) जमा हवे ओ पाट एवं पचानोर काजे लागवे। एर फले पाट ओ मेस्ता चाषे चाषिदेर लाभ आरो बाडवे।

#### पुकुरेर माप एवं एक एकर जमिर पाट पचानोर जनु पचन पद्धति

- पुकुरेदर आकार हवे ८० फुट लम्बा, ७० फुट चओडा ओ ५ फुट गभीर। एक एकर जमिर पाट वा मेस्ता ई पुकुरे दु'वार जाग देओया यावे। पुकुरेर पाडू यथेष्ट चओडा (१.५-१.८ मिटर) हवे, याते पेँपे, कला ओ सज्जि लागानो याय। ई खामार प्रणालि/ व्यवस्थाय पुकुर ओ तार पाडू निसे मोट आयतन १८० वर्ग मिटर हवे। चाषिरा यदि ई खामार प्रणालिते आरो वेशि परिमाने जमि व्यवहारे इच्छुक, तहले पुकुरेर माप ५० फुट-७० फुट-५ फुट हते पारे।
- पुकुरेर भितरेर दिके १५०-७०० माइक्रनेर कुषिते व्यवहार योग्य पलिथिन दिसे टेके दिते हवे याते पुकुरेर जल चुईसे वा निचे चले गिसे नष्ट ना हय।
- एकसङ्गे तिनटि जाक तैरी करते हवे एवं एक एकाटि जाके तिटि करे सुतर थाकवे। पुकुरेर तलार माटि थेके जाक २०-७० सेन्टिमिटर उपरे थाकवे एवं जाकेर उपर २०-७० सेन्टिमिटर जल थाकवे।

#### जमि तेई तैरी पचन पुकुरेर सुविधा

- प्रचलित पद्धतिते पचानोर स्फेद्रे पाट केटे पचानोर पुकुरे वये निसे याओयार खरच एकर प्रति ८०००-५००० टाका ई पद्धतिते साश्रय हवे।
- प्रचलित पद्धतिते १८-२१ दिने पाट पचे; किन्तु ई नतून पद्धतिते एकरे १८ केजि क्रोइजाफ सोना व्यवहार करे १२-१५ दिने पाट पचे यावे। द्वितीय वार पचानोर समय क्रोइजाफ सोना अर्धेक लागवे एवं एते ८०० टाका खरच बाँचवे।
- पाट पचानोर जनु वृष्टिर नतून धरा जल व्यवहार करले वा ई समय वृष्टि हले - धीरे वये चला जल पाओया यावे एवं आँशेर गुनमान कमपक्षे १-२ ग्रेड उन्नत हवे।

#### तैरी करा पुकुरे पाट ओ मेस्ता पचानो छाडाओ वृष्टिर धरा जल आरो विभिन्न उपाये व्यवहार करा यावे -

- १। विभिन्न उच्चतार वागिचा फसल व्यवहार माध्यमे पेँपे, कला, अन्यान्य सज्जि चाष करे प्रति ट्याक्से प्राय १०,०००-१२,००० टाका लाभ हवे।
- २। वायुते श्वास निते पारे एमन माछ येमन - तिलापिया, मागुर, शिषि माछ चाष करे ५०-६० केजि माछ पाओया येते पारे।
- ३। ई व्यवस्थाय मोमाछि पालन करा यावे (प्रति ट्याक्से लाभ ९,००० टाका) एवं एते बीज उपादने परागमिलने सुविधा हवे।
- ४। माशरुम चाष, भार्मिकम्पोस्ट तैरी करे आय हते पारे।
- ५। ई पुकुरे प्राय ५० टि हाँस पालन करे ५,००० टाका अतिरिक्त आय हते पारे।
- ६। पाट पचानो जल, पाटेर सङ्गे फसलचक्रे लागानो सज्जि ओ अन्यान्य फसलेर सेचेर जनु व्यवहार करा यावे एवं प्रति एकरे ८,००० टाका अतिरिक्त लाभ हते पारे।

सुतरां जमि ते ई पद्धतिते पुकुर वानिसे, मात्र १,०००-१,२०० टाकार पाटेर क्षति करे, चाषिरा अनेक धरनेर फसल फलिसे, प्राणी-मत्स-मोमाछि पालन करे प्राय ७०,००० टाका आय करते पारेन। एछाडाओ ई पद्धतिते चाषेर फले बहनेर खरच प्राय ८,०००-५,००० टाका बाँचवे। सेई सङ्गे ई प्रयुक्ति, चाषबासे चरम आवहाओयार - येमन खरा, बन्या, घुर्षिबाडू इत्यादिर क्षतिकर प्रभाव कम करते सम्भम।



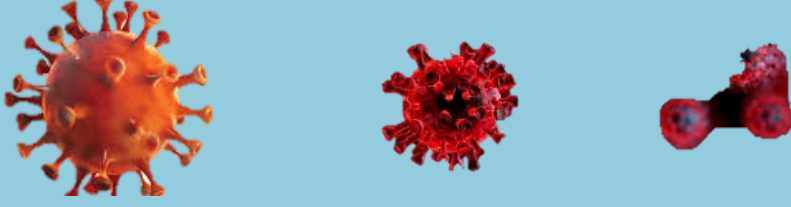
पाट ओ मेञ्जा चाषे जमरर स्वाभावरक स्थाने जलाधार भरतुकर परररवेशवाकुरव स्वरनरर्भर खामार ब्यवस्था

- ❖ पाट/ मेञ्जा पचाने
- ❖ माछ चाष
- ❖ पाडे सञ्जु चाष
- ❖ पुकुरेर धारे भारुकरम्पोस्त तैरी

- ❖ हाँस पालन
- ❖ मौरुमाछु पालन
- ❖ फल वारुगुचा (पेँपे ओ कला)



#### IV. कोरोना (COVID-19) भाईरसैर संक्रमण छडिऐे पडु ठैकते ऐे ऐे निरुपतुनूक ओ प्रतिरुध वुवसुतु ग्रहन करते हवे ऐवंग ऐेने चलते हवे



- 1। कुषकदेर चरुवसैर कुरऐेर सडुऐे निरुपतुनू वुवसुतु हिसुवे ऐक कुनेर थेके आरैक कुनेर सुरुडुऐुक दुरुतु वकुऐु ररखते हवे। चरुवुरर कुडुडु चरुव, वीकु वडुन, आगुररु नुडुडुन, कुलसैच देओरु इतुडुदु कुरऐेर सडुऐे डरकुतुरर डुररडुशु डतुओ डुखुस (डरकु) डुरवेन, आर डुररु डुररु डुररु सुरुवुरन-कुल दुरऐे हतु डुरवेन।
- 2। डुखन ऐकई कुष डुतुडुडुडुतु ऐेडुन - लरकुल, तुररुतुतुर, डुररुओडुडु डुतुलर, वीकु वडुन डुतुडु, नुडुडुन डुतुडु, कुलसैचेर डुररुडुडु अनैके डुले डुर डुर डुररुडुडुगु कुरैे वुवडुडुडु करवेन, तडुन थेडुल ररखते हवे ऐई डुतुडुडुडुडुडु डुने सठुकडुवे डुररुसुकर कुरर हडु। कुष डुतुडुडुडुडुतु डुने डुने अडुश डुर डुर हतु दुरऐे सुडुडुडु करते हडु, सैई अडुशतु सुरुवुरन कुल दुरऐे डुऐे नुते हवे।
- 3। चरुवैर कुरऐेर डुररुके अवसरेर सडुऐे, खरुवर खरुओडुडुडु सडुऐे, वीकु शुररुनैर सडुऐे ऐवंग सर नरडुनरु वर तुओलर सडुऐे - डुररुडुडु सुरुडुऐुक दुरुतु (कडु डुरकु 3-8 डुतु) वकुऐु ररखते हवे।
- 4। डुरतुओतु सडुडुव, कुष कुरऐे डुररुडुडुडु लुओकेदुरैई कुरऐे लरगुरन। डुरलुओडुवे खुडु खडुर नुऐेई सैई डुकुडुर कुरऐे लरगुरते हवे, डुरते कुओनु करुनरु डुररुडुडुडु वरहक कुषकुरऐे आडुनर अडुडुले चलै आसते नर डुररै।
- 5। वीकु ओ सर डुररुडुडुडु डुरुकुरन थेके कुनवेन ऐवंग डुरुकुरन थेके डुररैे आसर डुरैई सुरुवुरन कुल दुरऐे डुरलुओडुवे हतु डुरऐे नुवेन। वरकुऐे वीकु, सर इतुडुदु कुनते डुररुवुर सडुऐे अवशुडुई डुखुस (डरकु) डुरवेन।
- 6। कुओडुडु-19 डुररुडुडुडुडु रुरगु संकुडुडु डुररुडुडु सुवुडु डुररुसैवुर वरडुऐे तथु कुनर कुन डुररुडुडुडुडु आडुनर सुडुडुडु डुररुडुडुडुडु 'आरुरगु सैतु' नरडुऐे ऐडुडुकेशुन सडुडुडुडुडुडु वुवडुडुडुडुडु करुन।



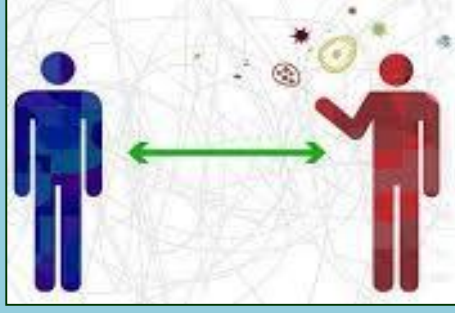
डुररुडुडुडुडुडु डुररुडुडुडुडु डुरऐे हतु डुरुररुडुडुडुडु करुन

हैतु वर कुरशुर सडुऐे रुरुडुल वर तुसु कुरगकु चरुडु दुरन

वर वर चुख-डुख हतु दुरऐे सुडुडुडु करवेन नर

वररैे सडुऐे डुररुडुडुडु वुवडुडुडुडु करुन

## V. पाट कलेर (जूट मिल) कर्मचारिदर जन्य परामर्श



- पाट कल (जूट मिल) चालू राखार जन्य, पाट कलेर सीमानार मध्ये थाका कर्मचारिदर दिये छोटो छोटो ब्याचे, वारे वारे शिफ्ट करे काज चलाते हवे।
- पाट कलेर मध्ये आनेक जायगाय कलेर (जल) व्यवस्था करते हवे, याते कर्मचारिरा मावे मावे हात धुये निते पारैन। काज चलाकालीन अवस्थाय, कर्मचारिरा धूमपान करबेन ना।
- मिलेर शौचागार गुलि वार वार परिसकार करते हवे, याते कर्मचारिरा रोगेर आक्रमणे ना पडेन।
- कर्मचारिदर, ग्लाउस, जूतो, मुख टाकार व्यवस्था एवं अन्यान्य सुरक्षार जन्य परामर्श दिते हवे।
- मिलेर मध्येई, काजेर जायगा वार वार बदल करा येते पारे, याते कर्मचारिदर मध्ये पारामर्श मतो सामाजिक दूरत बजाय थाके।
- ये सम कर्मचारिदर यन्त्रपातिर (मेशिनर) अनेर स्थाने वार वार हात दिते हय, तादर जन्य आलादा भावे हात धोयार वा स्यानिटाईज करार व्यवस्था राखते हवे। एछाड़ा ओ मेशिनर ओई जायगागुलो वार वार सावान जल दिये परिसकार करते हवे।
- वयस्क कर्मचारिदर अपेक्षकृत फाँका वा भिड़ कम जायगाय काज दिते हवे, याते तादर भाईरासेर संक्रमण ना हय।
- मिलेर कर्मचारिरा टिफिनर समय वा अवसरेर समय भिड़ करे एक जायगाय आसबेन ना एवं ७-८ फुट दूरत बजाय रेखेई हात धोबेन।
- यदि कौनो मिल कर्मचारिर ई धरनेर शारीरिक समस्या देखा यय, तवे तिनि अबिलखे मिलेर डाक्टर वा मिल मालिकेर सडे योगायोग करबेन।



आपनादेर सबाईके सुस्थ्य ओ निरापद थाकार जन्य शुभेच्छा जानाई

धारणा ओ प्रकाशनाः

डः गौराङ्ग कर,  
निर्देशक,  
भा.कृ.अ.प - क्रिजाफ,  
नीलगङ्ग, ब्यारकपुर,  
कोलकाता-९००१२१, पश्चिमबङ्ग

**Acknowledgement:** The Institute acknowledges the contribution of the Chairman and Members of the Committee of Agro-advisory Services of ICAR-CRIJAF; Heads/ Incharges of Crop Production Division, Crop Improvement Division and Crop Protection Division, In-charges of AINP-JAF and Agril. Extension section of ICAR-CRIJAF and other contributors of their Division/ Section; In-charges of Regional Research Stations of ICAR-CRIJAF and their team; In-charge of AKMU, ICAR-CRIJAF and his team for preparing this Agro-advisory [Issue No: 10/2022 (24 May- 7 June, 2022)].